राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

रोकठोक लेखनी

RNI NO. : MAHHIN/2019/77511

खबरें बे-रोकटोक

वर्ष 07 | अंक 21 | मुंबई : बुधवार 25 मार्च 2026 से 31 मार्च 2026 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 8 | कीमत : 03 रुपये

10 साल में कैसे डूबी पाकिस्तान की लुटिया?

अमेरिकी पत्रकार ने खोल दी पड़ोसी मुल्क की पोल...

इस्लामाबाद : पाकिस्तान के हालात किस कदर बदतर हैं, इसकी पोल अमेरिकी एक्सपर्ट ने खोली है. अमेरिकी पत्रकार, लेखक और जियो-पॉलिटिकल एक्सपर्ट फरीद जकारिया ने पड़ोसी मुल्क के खराब सिस्टम, सरकार से लेकर संस्थाओं में चल रहे भ्रष्टाचार का जिक्र करते हुए बिगड़े हुए हालात के लिए वहां की सेना को जिम्मेदार ठहराया.

भारत और पाकिस्तान के विकास की तुलना

जकारिया ने कहा, पाकिस्तान के 'बंटाधार' के पीछे उसकी अपनी ही सेना है. एक प्रोग्राम के दौरान उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच विकास की तुलना की. भारत का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि 'इंडिया में एक समय कृषि, पेट्रोल-डीजल और रिफाइंड पेट्रोलियम प्रोडक्ट का एक्सपोर्ट किया जाता

था लेकिन अब भारत स्मार्टफोन के बड़े मर्चेंडाइज निर्यातक के तौर पर उभर रहा है, जिससे उसकी दुनिया में पहचान बन रही है.' उन्होंने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग का हवाला देते हुए भी पड़ोसी मुल्क पर निशाना साधा. जकारिया ने कहा, ' केवल 10 पहले ही ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में पाकिस्तान भारत से 50 प्वाइंट आगे था लेकिन आज के पाकिस्तान के हालात एकदम अलग हैं, यहां का सिस्टम अव्यवस्थित है और देश पर सेना का कब्जा है. इस समस्या का कभी भी समाधान नहीं हुआ.'

पाकिस्तान के सिस्टम पर उठाए सवाल...

अमेरिकी पत्रकार ने पाकिस्तान के मौजूदा सिस्टम पर सवाल उठाए. उन्होंने कहा, पाकिस्तान के सिस्टम से लेकर वहां की सरकार और संस्थाएं सही तरीके से काम नहीं कर रही हैं. वहां कानूनों का कोई मतलब नहीं है, हकीकत में हर जगह केवल अव्यवस्था और करप्शन ही व्याप्त नजर आता है.

मुंबई का रानी बाग बना टूरिस्ट हॉटस्पॉट, 2 साल में 71 लाख से ज्यादा पर्यटक पहुंचे

भायखला : भायखला स्थित वीरमाता जीजाबाई भोसले पार्क और चिड़ियाघर (रानी बाग), जो मुंबई और विदेशों से आने वाले पर्यटकों के लिए एक आकर्षण का केंद्र बन रहा है। रानी बाग में पिछले दो वर्षों में 71 लाख 80 हजार 131 पर्यटकों ने तेंदुए, बंगाल टाइगर, मगरमच्छ, भालू जैसे घरेलू, विदेशी जानवरों और पक्षियों को देखने का रोमांच अनुभव किया है। वहीं, जापानी सारस और अफ्रीकी ग्रे तोतों की चहचहाहट ने रानी बाग को देसी और विदेशी पर्यटकों के लिए आकर्षित किया है। रानी बाग में आने वाले पर्यटकों के कारण मुंबई बीएमसी के खजाने में 28 करोड़ 10 लाख 64 हजार 304 रुपए का राजस्व एकत्र हुआ है। रानी बाग में प्रतिदिन परिवार, बच्चे और देश-विदेश से पर्यटक आते हैं। शनिवार, रविवार और छुट्टियों के दिनों में पार्क और चिड़ियाघर में काफी चहल-पहल रहती है। पार्क के आधुनिकीकरण का काम तेजी से चल रहा है। रानी बाग में एक नया गुलाब उद्यान और जापानी उद्यान बनाया गया है। बच्चों के मनोरंजन के खिलौने, स्थानीय और विदेशी पक्षी, बाघ, तेंदुए और साही पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन रहे हैं। इनमें से 8 पेंगुइन 2016 में लाए गए थे।

डोंबिवली-उल्हासनगर में जनता दरबार में गरजे सांसद, लंबित कामों पर तुरंत कार्रवाई के आदेश

डोंबिवली : 'खासदार आपसे मिलने जनता दरबार' कार्यक्रम में इस बार शिकायतें सुनने के साथ-साथ कार्रवाई का सख्त संदेश भी देखने को मिला। कल्याण लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ श्रीकांत शिंदे ने डोंबिवली औरउल्लासनगर में आयोजित जनता दरबार में सैकड़ों नागरिकों की समस्याएं सुनकर मौके पर ही समस्याओं को सुलझाने का संबंधित विभागों के अधिकारियों को ताबड़तोड़ निर्देश दिए।

पानी, सड़क, स्वास्थ्य हर मुद्दे पर सीधे आदेश

उल्हासनगर स्थित जनसंपर्क कार्यालय में आयोजित जनता दरबार में नागरिकों ने पानी सप्लाई, सड़कों की हालत, स्वास्थ्य सेवाओं और महापालिका के कामकाज से जुड़े कई लंबित मुद्दे उठाए। सांसद ने एक-एक शिकायत पर सीधे अधिकारियों को फोन और निर्देश देकर मामलों को तुरंत हल करने के आदेश दिए। कई मामलों में संबंधित विभागों को समय सीमा तय कर काम पूरा करने के निर्देश भी दिए गए।

डोंबिवली में भी सख्त रुख

डोंबिवली में शिवसेना मध्यवर्ती शाखा में आयोजित जनता दरबार में भी सांसद का वही सख्त अंदाज देखने को मिला। यहां भी उन्होंने महापालिका और जिला प्रशासन के अधिकारियों को लंबित कामों में देरी पर नाराजगी जताई और तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने साफ कहा कि जनता के काम में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

प्रशासन की जवाबदेही तय

जनता दरबार के दौरान कई पुराने और प्रलंबित मामलों को प्राथमिकता से निपटाने के निर्देश दिए गए, जिससे कई फाइलों को तुरंत गति मिली। इस पहल से मनपा प्रशासन की जवाबदेही भी तय होती नजर आई।

डोंबिवली में आयोजित जनता दरबार कार्यक्रम में विधायक राजेश मोरे, महापौर हर्षाली चौधरी, वरिष्ठ नगरसेवक विश्वनाथ राणे समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे। यहीं उल्हासनगर में नगरसेवक अरुण आशान और राजेंद्र चौधरी सहित स्थानीय पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मुंबई में सफाई कर्मियों को घर देने की पहल

मुंबईः मुंबई महानगरपालिका के सफाई कर्मचारियों के लिए खुशखबरी है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सफाई कर्मियों को मुंबई में अपना घर देने की घोषणा की है। इससे 30 हजार से अधिक सफाई कर्मियों को खुद के स्वामित्ववाला घर मिल सकेगा। म्युनिसिपल मजदूर यूनियन ने 23 मार्च को आजाद मैदान पर आंदोलन की घोषणा की थी। उससे पहले विधानसभा उपाध्यक्ष अण्णा बनसोडे की मध्यस्थता से यूनियन के शिष्टमंडल ने मुख्यमंत्री फडणवीस से मुलाकात की। मुख्यमंत्री के साथ हुई बैठक में साल 2008 और 2015 के सरकारी निर्णयों को तत्काल लागू करने की मांग रखी गई।

ठाणे में नाबालिग लड़की से रेप के आरोप में 58 वर्षीय व्यक्ति पर मामला दर्ज

ठाणे : अधिकारियों ने मंगलवार, 24 मार्च को बताया कि महाराष्ट्र के ठाणे ज़िले में पुलिस ने 58 साल के एक व्यक्ति के खिलाफ 10 साल की बच्ची से कथित तौर पर रेप करने का मामला दर्ज किया है। भोईवाड़ा पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने कथित तौर पर दिसंबर 2025 और इस साल फरवरी के बीच, भिवंडी

इलाके के निजामपुरा में अपने घर पर किसी बहाने से पीड़िता को बुलाकर यह अपराध किया।

उन्होंने बताया कि पीड़िता के परिवार की शिकायत के आधार पर, पुलिस ने रविवार को आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 64 (रेप) और 74 (किसी महिला की गरिमा को ठेस पहुँचाने के इरादे से उस पर हमला या आपराधिक बल का प्रयोग) और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया। पीड़िता के परिवार द्वारा शिकायत दर्ज करने में हुई देरी का कोई कारण नहीं बताया गया।

शिव भोजन योजना 'ऑक्सीजन' पर! व्यावसायिक सिलेंडर की सप्लाई ठप!

मुंबईः खाड़ी देशों में चल रहे युद्ध का असर अब छोटे शहरों पर भी पड़ रहा है। इस युद्ध का असर एलपीजी गैस सिलेंडर की आपूर्ति पर पड़ा है और घरेलू गैस सिलेंडर ग्राहकों की गैस आपूर्ति तो ठीक है, लेकिन व्यावसायिक गैस सिलेंडर की आपूर्ति बंद कर दी गई है। जिससे होटल व्यवसाय में बड़ा संकट पैदा हो गया है। उल्लेखनीय है कि सिलेंडर की कमी का असर राज्य सरकार की शिव भोजन योजना पर भी पड़ा है। जिसके कारण जिले में शिव भोजन थाली 'ऑक्सीजन' पर दिखाई दे रही है। सरकार की ओर से 10 मार्च को दिए गए निर्देशों के अनुसार व्यावसायिक गैस सिलेंडर की आपूर्ति बंद कर दी गई है और सिर्फ इमरजेंसी सेवा के तौर पर अस्पतालों और शिक्षा संस्थानों को गैस आपूर्ति जारी रखी गई है।

मुंबई : देवेंद्र फडणवीस ने सबसे लंबे समय तक सरकार प्रमुख रहने पर पीएम मोदी की सराहना की...

मुंबई : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत में सबसे लंबे समय तक सरकार के प्रमुख रहने पर उनकी सराहना की। उन्होंने सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। गुजरात के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के तौर पर सरकार के प्रमुख के रूप में 8,931 दिन पूरे करने के साथ ही, ढट मोदी ने चामलिंग के 8,930 दिनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है।

एक्स पर एक पोस्ट में, फडणवीस ने पीएम मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य को हासिल करने में सफल रहा है। एक्स पर एक पोस्ट में, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने लिखा, ''जनसेवा के 8931 दिन—लोगों की सेवा करने का एक रिकॉर्ड। सार्वजनिक जीवन में 8931 दिनों के साथ—जो अब तक का सबसे लंबा कार्यकाल है—माननीय पीएम नरेंद्र मोदी जी का सफर, एक मुख्यमंत्री के तौर पर सेवा करने से लेकर प्रधानमंत्री के तौर पर हमारे राष्ट्र का नेतृत्व करने तक, सार्वजनिक सेवा और नागरिक-केंद्रित शासन के

प्रति उनके अटूट समर्पण को दशार्ता है।''''भारत के साथी नागरिकों को बधाई, माननीय ढट मोदी जी को बधाई! उनके दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत ने सभी क्षेत्रों में अभूतपूर्व विकास हासिल किया है, नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं और दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। उद्देश्य की यह स्पष्टता राष्ट्र को लगातार प्रेरित कर रही है और एक मजबूत, आत्मनिर्भर भविष्य की ओर प्रगति को गति दे रही है,'' एक्स पोस्ट में कहा गया।

इससे पहले आज, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी इस उपलब्धि के लिए पीएम मोदी की सराहना की और उनकी 24 वर्षों की निरंतर सार्वजनिक सेवा की तारीफ की। शाह ने राष्ट्र के प्रति मोदी के ''अटूट समर्पण'' की सराहना करते हुए कहा कि उनके कार्यकाल ने विकास पहलों, कल्याणकारी उपायों और देश की वैश्विक प्रतिष्ठा को मजबूत करके भारत को एक नया रूप दिया है। एक्स पर एक पोस्ट में, अमित शाह ने लिखा, ''मोदी जी की दशकों की सेवा ने अपने आप में एक युग का निर्माण किया है। चाहे वह गरीबों को उनके अधिकार दिलाना हो, विकास के नए कीर्तिमान स्थापित करना हो, या वैश्विक मंचों पर राष्ट्र के गौरव को बढ़ाना हो—मोदी युग ने भारत को पूरी तरह से बदल दिया है।'' उन्होंने आगे कहा, ''इस नए भारत को बनाने के लिए पूरी ज़िंदगी की मेहनत की जरूरत थी, और पीएम नरेंद्र मोदी ने वह मेहनत की। 24 साल से भी ज्यादा समय तक बिना कोई छुट्टी लिए देश और देशवासियों की सेवा करना, उनकी अटूट लगन का ही सबूत है। इसी वजह से उन्हें लोगों से इतना बेमिसाल प्यार मिला—तीन बार गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर और तीन बार भारत के पीएम के तौर पर।

मुंबई : पर्यटकों के लिए मासिक पास शुरू; हरा-भरा मालाबार हिल वॉकवे आकर्षण का केंद्र...

मुंबई : दक्षिण मुबंई का हरा-भरा मालाबार हिल वॉकवे आकर्षण का केंद्र बनता जा रहा है। मुंबई महानगरपालिका ने अब इसके लिए मासिक पास की सुविधा उपलब्ध कराई है। इससे नियमित रूप से वॉक करने वालों को राहत

मिलेगी। लगभग 485 मीटर लंबा और 2.4 मीटर चौड़ा एलिवेटेड वॉकवे अपनी प्राकृतिक सुंदरता और समुद्र के मनमोहक दृश्यों के लिए जाना जाता है। इस पर बने व्यूइंग डेक से अरब सागर का शानदार नजारा दिखाई देता है। लकड़ी के स्ट्रक्चर और स्टील सपोर्ट से बना ट्रेल पर्यावरण के अनुकूल डिजाइन किया गया है। मनपा ने मासिक पास की कीमत 750 रुपये रखी है। इस पास के जरिए एक व्यक्ति को रोजाना एक बार वॉकवे में प्रवेश करने की अनुमति होगी। नई व्यवस्था से खासकर स्थानीय निवासियों और फिटनेस प्रेमियों को राहत मिलेगी। वॉकवे पर सैर करने आने वालों को प्रति विजिट टिकट लेना पड़ता था। वर्तमान में वॉकवे के लिए प्रवेश शुल्क भारतीय नागरिकों के लिए 25 रुपये और विदेशी नागरिकों के लिए 100 रुपये निर्धारित है। मासिक पास के साथ यह सुविधा भी जारी रहेगी। वॉकवे सुबह 5 बजे से रात 8 बजे तक खुला रहता है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए मनपा ने स्लॉट सिस्टम भी लागू किया है। इसके तहत हर दिन 16 स्लॉट निर्धारित किए गए हैं। हर स्लॉट में 200 लोगों को प्रवेश दिया जाता है, जिससे कुल दैनिक क्षमता 3,200 आगंतुकों तक सीमित रहती है।

नेशनल पार्क में तेंदुए 'बिट्टू' की मौत !

मुंबई : मुंबई के बोरिवली स्थित संजय गांधी नेशनल पार्क में लगभग 6 वर्ष के नर तेंदुए 'बिट्टू' की मौत हो गई है। वह लंबे समय से बीमार चल रहा था। नेशनल पार्क के वेटनरी डॉक्टरों व कर्मचारियों की देखरेख में उसका उपचार चल रहा था, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। शावक बिट्टू को 4 दिसंबर 2019 को ठाणे वन विभाग के येऊर क्षेत्र से बचाया गया था। उसका पालन-पोषण और देखभाल उद्यान के पशु चिकित्सकों और कर्मचारियों की निगरानी में किया गया।

पिछले कुछ महीनों से उसमें बीमारी के लक्षण दिखाई दे रहे थे और उसका ईलाज किया जा रहा था। लेकिन उसकी सेहत में कोई सुधार नहीं हो रहा था। सोनोग्राफी में पाया गया कि वह पॉलीसिस्टिक किडनी डिजीज नामक बीमारी से पीड़ित था। इसके बाद उसके शरीर में आंतरिक गंभीर जटिलताएं उत्पन्न हो गईं और उसकी मृत्यु हो गई। वेटनरी डॉक्टरों की टीम द्वारा किए गए पोस्टमॉर्टम में किडनी में सिस्ट पाए गए. प्रारंभिक जांच में यह संकेत मिला कि किडनी की समस्या के कारण कई अंगों के फेल होने की संभावना थी। नेशनल पार्क के उपनिदेशक के अनुसार सभी आवश्यक प्रोटोकॉल का पालन किया गया है और जैविक नमूनों को आगे की हिस्टोपैथोलॉजिकल और पुष्टि जांच के लिए मुंबई पशु चिकित्सा महाविद्यालय, परेल भेजा गया है।

मुंबई : आग लगने की दो अलग-अलग घटना

मुंबई : मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन में आग लगने की दो अलग-अलग घटनाओं ने खलबली मचा दी, जिससे इमरजेंसी सर्विस हाई अलर्ट पर चली गईं और घनी आबादी वाले शहरी इलाके में आग से सुरक्षा को लेकर नई चिंताएँ पैदा हो गईं। पहली घटना नवी मुंबई में हुई, जहाँ तुर्भे सेक्टर 21 में एक कमर्शियल दुकान में भीषण आग लग गई। फायरफाइटिंग टीमों को तुरंत मौके पर भेजा गया और आग पर काबू पाने के लिए ऑपरेशन शुरू किया गया। अधिकारियों ने कन्फर्म किया कि तुर्भे आग से किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, और आग बुझाने की कोशिशें जारी हैं। आग लगने का कारण अभी ऑफिशियली पता नहीं चला है। गोरेगांव आग, कुछ घंटों बाद, मुंबई के गोरेगांव ईस्ट में एक और खतरनाक घटना हुई, जब डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के पास कृष्णा वाटिका मार्ग पर अपस्केल गोकुलधाम कॉलोनी में मौजूद 24-मंज़िला लक्ष्य चंडी रेजिडेंशियल बिल्डिंग में आग लग गई। सिविक अधिकारियों के अनुसार, आग शाम लगभग 7:20 बजे लगी और टावर की छठी मंज़िल तक ही सीमित रही। एक तेज रेस्क्यू ऑपरेशन में, फायरफाइटर्स ने एक महिला को जलती हुई बिल्डिंग से सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद उसे तुरंत मेडिकल मदद के लिए एक प्राइवेट गाड़ी से ट्रॉमा केयर सेंटर ले जाया गया।

मुंबई : देश का सबसे ऊंचा केबल स्टे ब्रिज बनकर तैयार, 1 मई से खुल जाएगा मुंबई-पुणे मिसिंग लिंक, आधे घंटे घटेगी दूरी...

मुंबई : मुंबई से पुणे के बीच सफर करने वाले यात्री 1 मई से अपने गंतव्य स्थान तक 25 मिनट पहले पहुंच सकेंगे। यात्रियों का सफर कम समय में पूरा कराने के लिए स'ाद्रि के दो पर्वत के बीच देश का सबसे ऊंचा केबल स्टे ब्रिज तैयार करने का काम 99.9 फीसदी तक पूरा कर लिया गया है। महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास महामंडल (एमएसआरडीसी) 1 मई को मुंबई-पुणे एक्सप्रेस वे पर बने 13.3 किमी लंबे मिसिंग लिंक प्रॉजेक्ट को आम गाड़ियों के लिए खोलने की योजना पर काम कर रहा है। इस प्रॉजेक्ट के तहत दो पहाड़ों के बीच मार्ग तैयार करने के लिए 182 मीटर ऊंचा केबल ब्रिज तैयार किया गया है। 182 ऊंचे ब्रिज पर गाड़ियां 132 मीटर की ऊंचाई से गुजरेगी।

मिसिंग लिंक प्रॉजेक्ट के माध्यम से पहाड़ के बीच रास्ता तैयार किया जा रहा है। ऐसा कर एमएसआरडीसी ने मुंबई- पुणे एक्सप्रेस वे की दूरी 6 किमी घटा दी है। नया रास्ता तैयार होने से वाहन चालकों को पहाड़ का चक्कर लगाते हुए आगे नहीं बढ़ना नहीं पड़ेगा। सीधी सड़क होने से गाड़ियां तेजी से आगे बढ़ पाएगी।

देश का सबसे ऊंचा केबल स्टे ब्रिज तैयार करने वाली ऑफकॉन्स कंपनी के अनुसार, ब्रिज 99.9 फीसदी तक बन कर तैयार हो चुका है। अब केवल अंतिम फिनिशिंग का काम चल रहा है। सरकार 1 मई तक ब्रिज को वाहनों की आवाजाही के लिए खोल सकती है।

क्या है मिसिंग लिंक प्रॉजेक्ट ?

गौजूदा समय में एक्सप्रेस वे पर खोपोली एक्जिट से सिंहगढ़ इंस्टीट्यूट के बीच की दूरी 19 किगी है। मिसिंग लिक के बन जने से 19 किमी की दूरी घट कर 13.3 किमी में सिमट जाएगी। पॉजेक्ट के तहत दो टनल और दो केबल ब्रिज बनाए गए है। 13.33 किमी के कुल मार्ग में से 11 किमी लबी टनल और करीब 2 किमी का केबल ब्रिज है। करीब 850 नीटर लंबे और 26 मीटर चौड़े दो केवल ब्रिज का निर्माण दो चरण में किया गया है।

मिसिंग लिक प्रॉजेक्ट के तहत टनल तैयार करने का काम कई महीने पहले पूरा किया जा चुका था। लेकिन 182 मीटर ऊंचा ब्रिज तैयार करने में आ रही चुनौतियों की वजह से 2024 में बन कर तैयार होने वाला ब्रिज अब बन पाया है। पहले इसकी डेडलाइन मार्च 2024, फिर जनवरी 2025, फिर मर्च 2025 रखी गई थी। अफकॉन्स के अनुसर, ब्रिज का निर्माण ऐसा स्थान पर किया गया है, जहां सब कुछ मौसम पर निर्भर होता था।

मुंबई : दिल्ली-मुंबई साइबर ठगी गिरोह का भंडाफोड़ : 11 गिरफ्तार, वरिष्ठ नागरिक से 22.67 लाख की ठगी का खुलासा...

मुंबई : दिल्ली पुलिस के साउथ-वेस्ट जिले की साइबर थाना टीम ने एक बड़े ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट फ्रॉड रैकेट का पर्दाफाश करते हुए 11 साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है. यह गिरोह दिल्ली और मुंबई से मिलकर काम कर रहा था और लोगों को निवेश पर भारी मुनाफे का लालच देकर ठगी करता था. पुलिस के मुताबिक इस गैंग ने एक 60 साल के वरिष्ठ नागरिक को फेसबुक पर फर्जी विज्ञापन दिखाकर अपने जाल में फंसाया और उनसे ₹22.67 लाख की ठगी कर ली.

शिकायतकर्ता ए. श्रीनिवासन ने पुलिस को बताया कि उन्हें फेसबुक पर एक विज्ञापन दिखा, जिसमें वित्त मंत्री के भाषण का दुरुपयोग करते हुए एआय आधारित ट्रेडिंग से ज्यादा मुनाफे का दावा किया गया था. विज्ञापन में दिए गए लिंक पर रजिस्ट्रेशन करने के बाद कुछ लोगों ने खुद को इन्वेस्टमेंट एडवाइजर बताकर फोन और व्हाट्सएप के जरिए संपर्क किया. उन्होंने शिकायतकर्ता को मुद्रेन एप और 9प्रो प्लेटफॉर्म पर रजिस्टर कराया और क्रेओवियाह टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड के नाम

पर पैसा निवेश कराने को कहा. कुछ समय तक मुनाफे का लालच दिखाने के बाद आरोपियों ने संपर्क बंद कर दिया और शिकायतकर्ता को पता चला कि उनके साथ ठगी हो चुकी है.

दिल्ली में खुला फर्जी दफ्तर

मामले की जांच के लिए साइबर थाना पुलिस ने एक विशेष टीम बनाई. डिजिटल डाटा, कॉल डिटेल और मनी ट्रेल की जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि रोहिणी और नेताजी सुभाष प्लेस में इस गैंग का नेटवर्क चल रहा है. पुलिस ने दोनों जगह छापेमारी कर तजिंदर सिंह उर्फ लकी, आशीष सैनी, शिव दयाल सिंह, शिवा और गिरिराज किशोर को गिरफ्तार कर लिया. जांच में सामने आया कि एनएसपी में इन लोगों ने फर्जी ऑफिस बना रखा था, जहां से नकली बैंक खाते खोलकर उन्हें साइबर ठगों को सप्लाई किया जाता था.

मुंबई और राजस्थान से भी जुड़े तार

पूछताछ में यह भी सामने आया कि ठगी की रकम कई खातों से होते हुए मुंबई के एक बैंक खाते में पहुंचती थी. इसके बाद पुलिस ने राजस्थान के बिजाई नगर (ब्यावर) में छापेमारी कर रामदेव सांगला, प्रवीण कुमावत, दीपक मेवाड़ा और त्रिलोक चंद नायक को भी गिरफ्तार किया. ये लोग फर्जी बैंक खाते जुटाकर उन्हें मुंबई में बैठे ढङ नाम के व्यक्ति को देते थे, जिसके जरिए ठगी की रकम को आगे ट्रांसफर किया जाता था.

विदेशी साइबर ठगों से भी कनेक्शन

पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि यह गिरोह कंबोडिया में बैठे साइबर ठगों के लिए भारत में बैंक खातों का इंतजाम करता था, जिनके जरिए ठगी की रकम घुमाई जाती थी.

मुंबई : बढ़ती गर्मी के साथ मुंबई में बढ़ी बिजली की डिमांड, 15 से अब तक बने खपत के नए रिकॉर्ड देखें...

मुंबई : शहर में बढ़ती गर्मी के साथ बिजली की मांग तेजी से बढ़ रही है। हाल के दिनों में मुंबई में बिजली खपत के नए रिकॉर्ड सामने आए हैं। 17 मार्च को शहर की पीक बिजली मांग 3,751 मेगावॉट तक पहुंच गई थी , जो दोपहर 2:50 बजे दर्ज की गई। यह इस सीजन की अब तक की सबसे ज्यादा मांग में से एक मानी जा रही है। बिजली वितरण कंपनियों का कहना है कि उन्होंने पर्याप्त बिजली खरीद समझौते किए हैं, जिससे उपभोक्ताओं को बिना किसी बाधा के बिजली मिलती रहे। मुंबई और उपनगरों में करीब 50 लाख उपभोक्ता हैं। यहां बिजली सप्लाई की जिम्मेदारी

मुख्य रूप से अडानी इलेक्ट्रिसिटी, बेस्ट और टाटा पावर के पास है। हालांकि एमएमआर के अधिकांश इलाके महावितरण के पास है।

बिजली मांग में देखा जा रहा उतार-चढ़ाव

अगर पिछले कुछ दिनों के आंकड़ों पर नजर डालें, तो 15 से 22 मार्च के बीच बिजली मांग में उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। 16 और 17 मार्च को मांग सबसे ज्यादा रही, जबकि 21 और 22 मार्च को इसमें थोड़ी गिरावट आई। उदाहरण के तौर पर, टाटा पावर की मांग 16 मार्च को 1,018 मेगावॉट तक पहुंची, जो 22 मार्च को घटकर 844 मेगावॉट रह गई। इसी तरह बेस्ट की मांग 786 मेगावॉट से घटकर 523 मेगावॉट और अडानी की मांग 1,723 मेगावॉट से घटकर 1,379 मेगावॉट तक आ गई। इससे साफ है कि जैसे-जैसे तापमान बढ़ा, बिजली की खपत भी बढ़ी, लेकिन बीच-बीच में मौसम में हल्के बदलाव या छुट्टियों के कारण मांग में थोड़ी कमी भी देखी गई। इसी तरह बेस्ट की मांग 786 मेगावॉट से घटकर 523 मेगावॉट और अडानी की मांग 1,723 मेगावॉट से घटकर 1,379 मेगावॉट तक आ गई। इससे साफ है कि जैसे-जैसे तापमान बढ़ा, बिजली की खपत भी बढ़ी, लेकिन बीच-बीच में मौसम में हल्के बदलाव या छुट्टियों के कारण मांग में थोड़ी कमी भी देखी गई।

आईएसआई के गुर्गे सरदार ने मुंबई में कारोबारी और नेताओं की कराई थी रेकी

2 बैंक खातों से भेजे 45 लाख रुपये

गाजियाबाद : पहले नाहल फिर कौशांबी और हापुड़ से पकड़े संदिग्धों से पूछताछ में रोजाना नए चौकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। रविवार को कौशांबी एरिया से अरेस्ट युवक नौशाद पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के गुर्गे सरदार उर्फ सरफराज उर्फ जोरा सिंह के इशारे पर देशविरोधी गतिविधियों को अंजाम दे रहा था।

सूत्रों का कहना है कि एसआईटी को पूछताछ में पता चला कि नौशाद ने सरदार के इशारे पर अपने दोस्त से मुंबई में कई बड़े उद्योगपतियों और राजनेताओं की रेकी कराई थी। इनके वीडियो और फोटो के साथ-साथ उनकी लोकेशन भी सरदार को भेजी गई थी। इसके अलावा झारखंड में प्रसिद्ध मंदिर समेत कुछ और संवेदनशील जगहों की रेकी कराई थी।

लोनी बॉर्डर में भी कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेने की खबर

सरदार ने नौशाद को कई और टारगेट दिए थे, लेकिन पैसा न मिलने पर उसने काम करने से मना किया। इसी बीच आरोपी ने दिल्ली कैंट की भी रेकी की थी। यहां के भी वीडियो और फोटो सरदार को भेजे गए थे। उधर, सूत्र बताते हैं कि लोनी बॉर्डर क्षेत्र में भी दिल्ली पुलिस की एक टीम ने रविवार देर रात को बॉर्डर क्षेत्र में छापा मारकर कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया। उनके पास से कुछ हथियार और अन्य सामग्री भी बरामद की गई है। हालांकि स्थानीय पुलिस इसकी जानकारी होने से इनकार कर रही हैं। डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्र नाथ तिवारी का कहना है कि दिल्ली पुलिस की कार्रवाई के बारे में स्थानीय पुलिस को कोई जानकारी नहीं है। बता दें कि 14 मार्च को पुलिस ने कई राज्यों में रेकी करने और कुछ संवेदनशील जगहों पर कैमरे लगाने के आरोप में छह लोगों को गिरफ्तार किया था। रिमांड पर लिए गए सुहैल, ईरम उर्फ महक समेत आधा दर्जन से अधिक आरोपियों से एसआईटी पूछताछ कर रही है। सोमवार को पूछताछ में तीन अन्य आरोपियों के नाम सामने आए है। जिसमे एक युवक को पुलिस ने वांछित दिखाया हुआ है। उसने कर्नाटक और राजस्थान में रेकी की थी। दूसरा आरोपी जेसीबी चालक है। उसने दिल्ली के चांदनी चौक की रेकी की थी। वहीं तीसरे आरोपी का भी नाम सामने आया है। सूत्रों से पता चला है कि पंजाब और हरियाणा में सरदार दो खातों को ऑपरेट करा रहा था। एक साल के अंतराल में पंजाब के एक खाते से 30 लाख रुपये, जबकि दूसरे खाते मे 15 लाख रुपये आए हैं। सरदार के इशारे पर पैसे पहले ट्रक चालक दुर्गेश के खाते में भेजे जाते थे, फिर सरदार उन्हें अलग-अलग संदिग्धों को पैसा पहुंचाने का ऑर्डर देता था।

नो गैस, नो डब्बा ! एलपीजी संकट से मुंबई का टिफिन नेटवर्क बुरी तरह प्रभावित...

मुंबई : पश्चिम एशिया में छिड़ी जंग की वजह से देश में एलपीजी की सप्लाई पर असर पड़ा है. ईरान ने प्रमुख तेल-गैस ढुलाई मार्ग स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद करने की बात कही है. इससे तेल-गैस की ढुलाई पर असर पड़ा है. भारत भी अपनी गैस जरूरत का एक बड़ा हिस्सा इन्हीं अरब देशों से आयात करता है. ऐसे में भारत में भी एलपीजी की कमी देखी जा रही है. हालांकि सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं पर असर न पड़े, इसके लिए कई जरूरी कदम उठा रही है. एलपीजी के कमर्शियल सिलेंडरों में कमी की गई है. इस कारण तमाम रेस्टोरेंटों और टिफिन सर्विस देने वाले लोगों के काम पर असर पड़ा है. इसी में से एक है मुंबई का फेमस टिफिन नेटवर्क.

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट

के मुताबिक मुंबई के साकिनाका से वर्ली तक, मुंबई का पारंपरिक टिफिन सर्विस नेटवर्क अब गंभीर एलपीजी संकट की चपेट में है. यह टिफिन सर्विस ऐप आधारित डिलिवरी सर्विस से दशकों पहले से मुंबई नगरी में घर-घर खाना पहुंचाने का एक बड़ा नेटवर्क है. एलपीजी सिलेंडर की कमी के कारण कई टिफिन वाले पुराने जमाने की लकड़ी-कोयले की सिगड़ी पर खाना बना रहे हैं, मेन्यू काट रहे हैं और ऑर्डर ठुकरा रहे हैं. कुछ तो पूरी तरह बंद होने के कगार पर पहुंच गए हैं. इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक साकिनाका में 33 वर्षीय चिराग पुरोहित 2009 से 'यम्मी टिफिन्स' चला रहे हैं. एलपीजी न मिलने पर उन्होंने लकड़ी और कोयले की सिगड़ी पर खाना बनाना शुरू कर दिया है. वह बताते हैं कि रोटी-सब्जी के अलावा हम हाई-प्रोटीन राइस बाउल भी बनाते थे, लेकिन अब उन्हें बंद करना पड़ा है. एक दिन में 500 डब्बे बनते थे, अब घटकर 300 रह गए हैं. सिगड़ी पर खाना बनने में बहुत ज्यादा समय लगता है. उनकी कैटरिंग बिजनेस भी बुरी तरह प्रभावित हुई है.

इसी तरह भांडुप में 29 वर्षीय ओमकार अजित पाटकर 'भोजनयान टिफिन सर्विस' चला रहे हैं. वह कहते हैं कि चाइनीज डिश या फ्राई करने वाली चीजें लकड़ी-कोयले पर नहीं बनाई जा सकतीं. पिछले दो हफ्तों से एक भी सिलेंडर नहीं मिला है. हम बंद होने के कगार पर हैं. जोशेवाड़ी में लक्ष्मी टिफिन सर्विस भी बंद हो गई. 30 वर्षीय आकाश अधिवंद रोजाना 70 डब्बे छात्रों, कामकाजी लोगों और परिवारों को सप्लाई करते थे. उन्होंने कहा कि दूसरा सिलेंडर खत्म हो गया, रिफिल नहीं हो पाया. गैस एजेंसी सिर्फ इतना कह रही है कि कुछ दिनों में स्थिति सुधर सकती है. वर्ली कोलीवाड़ा में नीतीन मोरगांवकर 'आइचा डब्बा टिफिन सर्विस' चलाते हैं. वह कहते हैं कि 14 किलो वाले सिलेंडर का दाम 920 रुपये से बढ़कर ब्लैक में 2,500-3,000 रुपये हो गया है.

संपादकीय...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

प्रासंगिकता खोता संयुक्त राष्ट्र...

पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य संघर्ष और रूस-यूक्रेन जैसे युद्धों ने न सिर्फ वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित किया है, बल्कि भू-राजनीतिक तनावों ने विश्व के समक्ष आर्थिक संकट खड़ा कर दिया है। ऊर्जा की कीमतों में तीव्र बढ़ोतरी ने न सिर्फ अंतरराष्ट्रीय व्यापार व्यवस्था को अस्थिर कर दिया है, बल्कि मुद्रा विनिमय दरों पर दबाव बढ़ने से पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्थाएं भी प्रभावित हो रही हैं। आज हर देश, चाहे वह विकसित हो या विकासशील महंगाई, बेरोजगारी और धीमी आर्थिक वृद्धि जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है। विश्व की बदलती भू-राजनीति केवल राजनीतिक संतुलन को ही प्रभावित नहीं कर रही, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था, व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की भूमिका को भी गहराई से प्रभावित कर रही है। इन परिस्थितियों में संयुक्त राष्ट्र से यह अपेक्षा थी कि वह विभिन्न देशों के बीच संवाद स्थापित कर, संघर्षोंन को रोककर और कूटनीतिक समाधान निकालकर वैश्विक स्थिरता बनाए रखेगा। किंतु वास्तविकता यह है कि संयुक्त राष्ट्र इन अपेक्षाओं पर पूर्णतः खरा नहीं उतर पाया है। बड़े देशों के बीच बढ़ते अविश्वास, हितों के टकराव और शक्ति राजनीति के कारण संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद जैसी संस्था भी निर्णायक हस्तक्षेप करने में असमर्थ रही है। परिणामस्वरूप न केवल युद्ध लंबे समय तक चल रहे हैं, बल्कि उनका प्रभाव विश्व अर्थव्यवस्था पर और अधिक गहरा होता जा रहा है।

पश्चिम एशिया में ईरान, इजरायल और अन्य क्षेत्रीय शक्तियों के बीच बढ़ते तनाव के दौरान संयुक्त राष्ट्र की चेतावनियां केवल प्रतीक मात्र बनकर रह गई हैं। एक ओर संयुक्त राष्ट्र के मंच से शांति और संवाद की बात की जाती है, दूसरी ओर जमीनी स्तर पर मिसाइल हमले, सैन्य कार्रवाई और नागरिक हताहतों की संख्या लगातार बढ़ रही है। यह अंतर केवल कूटनीतिक कमजोरी का नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन की वास्तविकता का भी प्रतीक है, जहां शक्तिशाली देश अपने रणनीतिक हितों के अनुसार कार्य करते हैं और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की अपीलों को नजरअंदाज कर देते हैं। स्पष्ट है कि संयुक्त राष्ट्र की कूटनीतिक प्रक्रिया वर्तमान समय की तेज और जटिल युद्ध परिस्थितियों के अनुरूप नहीं है। जहां एक ओर युद्ध तेजी से बदले हैं, वहीं दूसरी ओर संयुक्त राष्ट्र की प्रतिक्रिया अपेक्षाकृत धीमी और औपचारिक होती है जिससे इसकी विश्वसनीयता एवं प्रासंगिकता भी लगभग खत्म हो चुकी है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद वैश्विक स्तर पर देशों के बीच सहयोग, संवाद, शांति और भविष्य के युद्धों को रोकने के लिए संयुक्त राष्ट्र की स्थापना हुई थी। प्रारंभिक दशकों में इस संस्था ने कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई, परंतु बदलती वैश्विक परिस्थितियों में इसकी संरचना और कार्यप्रणाली अब समय के साथ सामंजस्य नहीं बिठा पा रही है। उस समय शक्ति संतुलन कुछ चुनिंदा देशों के हाथ में केंद्रित था, जबकि आज वैश्विक शक्ति बहुध्रुवीय हो चुकी है। एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के देशों का प्रभाव बढ़ा है। भारत, चीन, ब्राजील और अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाएं वैश्विक राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। ऐसे समय में यह अत्यंत आवश्यक हो गया है कि संयुक्त राष्ट्र को वर्तमान वैश्विक वास्तविकताओं के अनुरूप पुनर्गठित और सशक्त बनाया जाए, ताकि पुनः अपनी प्रभावशीलता प्राप्त कर विश्व को एक अधिक सुरक्षित, संतुलित और सही दिशा प्रदान कर सके। इसमें भारत जैसे जिम्मेदार और लोकतांत्रिक राष्ट्र की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है।

editor@rokthoklekhani.com
+91 9987775650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

मुंबई : शाहरुख खान के बेटे आर्यन को छोड़ने के लिए कभी नहीं मांगे 25 करोड़...

समीर वानखेड़े का बॉम्बे हाई कोर्ट में दावा

मुंबई : एनसीबी मुंबई के पूर्व जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े ने सोमवार को बॉम्बे हाई कोर्ट में कहा कि उन्होंने क्रूज ड्रग्स मामले में अपने बेटे आर्यन खान की गिरफ्तारी के बाद अभिनेता शाहरुख खान से रिश्वत की मांग नहीं की और न ही ली। वानखेड़े के वकील आबाद पोंडा, भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के आरोपों में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा मई 2023 में उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग वाली भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी की याचिका पर बहस कर रहे थे। पोंडा ने मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति सुमन श्याम की पीठ को बताया कि वानखेड़े ने शाहरुख खान से कभी रिश्वत की मांग नहीं की और न ही ली। सीबीआई की एफआईआर के अनुसार, वानखेड़े और मामले के

अन्य आरोपियों ने कथित तौर पर अभिनेता से ड्रग्स मामले में उनके बेटे को क्लीन चिट देने के लिए 25 करोड़ रुपये की मांग की थी।

हालांकि, पोंडा ने अदालत को बताया कि सीबीआई के पास यह साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं है कि वानखेड़े ने कोई रिश्वत मांगी या ली थी। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) को क्रूज शिप कॉर्डेलिया पर कथित ड्रग्स की मौजूदगी की सूचना मिली थी। वकील ने बताया कि कानून के अनुसार तलाशी ली गई और आर्यन खान समेत कुछ लोगों को गिरफ्तार किया गया। हाई कोर्ट ने कहा कि वह मंगलवार को याचिका पर आगे सुनवाई करेगा।

2 अक्टूबर 2021 को गिरफ्तार हुआ था आर्यन खान

सीबीआई ने एनसीबी की शिकायत पर समीर वानखेड़े और अन्य के खिलाफ आपराधिक साजिश (भारतीय दंड संहिता की धारा 120-बी), जबरन वसूली की धमकी (आईपीसी की धारा 388) और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत रिश्वतखोरी के आरोप में मामला दर्ज किया था। आर्यन खान को 2 अक्टूबर, 2021 को कॉर्डेलिया क्रूज शिप पर कथित ड्रग्स मामले में गिरफ्तार किया गया था। बाद में, एनसीबी ने 14 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया, लेकिन आर्यन खान को बरी कर दिया।

समीर वानखेड़े पर मनी लॉन्ड्रिंग का केस

2021 में इस चर्चित मामले में तब नया मोड़ आया जब एक 'स्वतंत्र गवाह' ने दावा किया कि एनसीबी के एक अधिकारी और एक गवाह समेत अन्य लोगों ने आर्यन खान को छोड़ने के बदले 25 करोड़ रुपये की मांग की थी। बाद में एनसीबी ने वानखेड़े और अन्य लोगों के खिलाफ आंतरिक सतर्कता जांच की और उसकी जानकारी सीबीआई को दी, जिसके बाद उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

मथुरा : कभी मुंबई पुलिस की मुखबिर थी, आज बन गई जासूस'; मीरा ठाकुर के पति ने खोले ऐसे राज जिसे सुनकर हर कोई हैरान...

मथुरा : जासूसी करने के आरोप में कौशांबी पुलिस द्वारा पकड़ी गई मीरा प्रजापति उर्फ मीरा ठाकुर उर्फ हरिया के पति ने चौंकाने वाली जानकारी दी है। माना जा रहा है कि मीरा मुंबई पुलिस की मुखबिर थी। पति का कहना है कि मुंबई के दो युवकों के संपर्क में मीरा कई वर्षों से थी। उनके दोनों युवकों के साथ मीरा के फोटो भी उनके पास हैं। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि वह जासूसी गिरोह में इन्हीं दोनों युवकों के संपर्क में आई है।

मीरा के पति ने कहा, दोनों युवकों के साथ हैं मीरा के फोटो

मीरा के पति मुकेश हलवाई का काम करते हैं। जागरण से फोन पर हुई बातचीत में उन्होंने बताया कि मीरा से उनका कई वर्षों से विवाद चल रहा है। पहले मुकेश की मां उनके साथ रहती थी। उन पर दो बार मीरा ने जानलेवा हमला कराया। बाहरी युवकों से मुकेश की भी पिटाई कराई। इससे परेशान होकर पहले भी मुकेश ने घर छोड़ दिया था। इधर भी वह मीरा से काफी समय से अलग रह रहे हैं।

अपनी सास पर भी मीरा ने दो बार किया था हमला, पति रहने लगा अलग

वह बताते हैं कि मीरा शराब और जुएं की लती है। अक्सर नशे में उसके साथ मारपीट करती थी। मुकेश का दावा है कि मुंबई के दो युवक मीरा के संपर्क में कई वर्षों से थे। उन लोगों ने कई बार मीरा को कीमती तोहफे भी दिए। फोटो भी उन युवकों के साथ हैं। मुकेश का दावा है कि मीरा कई बार मुंबई गई है। ऐसे में यह आशंका जताई जा रही है कि मीरा इन्हीं दोनों युवकों के जरिए पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले गिरोह से जुड़ी है। अगर पति मुकेश के दावे सही हैं तो मीरा बड़े गिरोह की सरगना है।

दिशा सालियान केस में बॉम्बे हाई कोर्ट की मुंबई पुलिस को फटकार...

कहा- नो एक्सक्यूज, जांच में देरी क्यों ?

मुंबई : पूर्व सेलिब्रिटी मैनेजर दिशा सालियान की मौत के मामले में पुलिस जांच में देरी पर बॉम्बे हाई कोर्ट ने सवाल उठाए हैं। कोर्ट ने पूछा, आखिर पुलिस की जांच में समय क्यों लग रहा है। जून 2020 में अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर सालियान की मालाड स्थिति एक बिल्डिंग की 14वीं मंजिल से गिरने से मौत हो गई थी। केस के संबंध में पुलिस ने दुर्घटनावश मैत का मामला दर्ज किया था। कोर्ट में सालियान के पिता सतीश की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई चल रही है। चीफ जस्टिस श्री चंद्रशेखर की बेंच के सामने याचिका पर सुनवाई हुई। इस दौरान सरकारी वकील मानकुवर देशमुख ने कहा, केस की जांच जारी है। इलेक्ट्रॉनिक सबूतों की जांच की जा रही है। 2 हफ्ते में रिपोर्ट पेश की जाएगी। इस पर बेंच ने कहा, जांच में देरी क्यों हो रही है?

बॉम्बे हाई कोर्ट में दो हफ्ते बाद सुनवाई

सरकारी वकील से मिले जवाब के बाद बेंच ने याचिका पर सुनवाई को 2 हफ्ते तक के लिए स्थगित कर दिया। बता दें कि याचिका में पिता ने बेटी की रहस्यमय परिस्थितियों में

हुई मौत पर सीबीआई जांच की मांग की है। याचिका में दावा किया गया है कि उनकी बेटी के साथ दुष्कर्म के बाद बेरहमी से हत्या की गई। मामले में कुछ प्रभावशाली व्यक्तियों को बचाने के लिए राजनीतिक साजिश रची गई थी। पुलिस ने मामले की जांच में सिर्फ लीपापोती की है।

मुंबई पुलिस पर लीपापोती करने का आरोप

याचिका में कहा गया है कि मुंबई पुलिस ने फोरेसिक साक्ष्य, परिस्थितिजन्य सबूत और प्रत्यक्षदर्शियों की गवाही को ध्यान में रखे बिना जल्दबाजी में केस को आत्महत्या अथवा आकस्मिक मौत का मामला मानकर बंद कर दिया। याचिका में शिव्सेना नेता आदित्य ठाकरे के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। मामले में ठाकरे ने भी सभी आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए उसका खंडन किया है।

जांच करें कि क्या मुंबई की सड़कों पर बांग्लादेशी प्रवासी फेरी लगा रहे हैं, कानून के अनुसार कार्रवाई करें : हाईकोर्ट ने BMC और पुलिस को निर्देश दिया

मुंबई : बॉम्बे हाईकोर्ट ने बृहन्मुंबई नगर निगम और मुंबई पुलिस को आदेश दिया कि वे शहर की सड़कों पर फेरी लगाने वाले सभी लोगों की पहचान का 'पूरी तरह' से सत्यापन करें। साथ ही यह भी जांच करें कि क्या इनमें कोई 'बांग्लादेशी' या अन्य 'प्रवासी' शामिल हैं जो फेरी लगाने के काम में लगे हैं। यदि ऐसे लोग मिलते हैं, तो अधिकारियों को उनके खिलाफ 'उचित' कार्रवाई करने का आदेश दिया गया। जस्टिस अजय गडकरी और जस्टिस कमल खाटा की खंडपीठ ने महाराष्ट्र हॉकर संघ (फेरीवालों का एक संगठन) द्वारा उनके समक्ष रखी गई दलील पर विचार किया। संघ ने तर्क दिया कि राज्य वर्तमान में बांग्लादेश से आए अवैध प्रवासियों की गंभीर समस्या का सामना कर रहा है, जिनमें से कई कथित तौर पर फेरी लगाने के काम में लिप्त हैं। संघ ने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे प्रवासियों की मौजूदगी न केवल स्थानीय निवासियों के लिए चिंता का विषय है, बल्कि यह स्थानीय विक्रेताओं और फेरीवालों के साथ भी रोजाना के झगड़ों का कारण बन रही है।

खंडपीठ ने स्पष्ट शब्दों में आदेश दिया, ''बीएमसी और

पुलिस तत्काल उन सभी व्यक्तियों की पहचान का पूरी तरह से सत्यापन करें, जिनमें वे लोग भी शामिल हैं, जिन पर बांग्लादेशी या अन्य गैर-भारतीय नागरिक होने का आरोप है। ये वे लोग हैं, जो स्टॉल लगाते हैं, सामान बेचते हैं या फेरी लगाते हैं, अथवा ऐसे स्टॉल मालिकों, विक्रेताओं या फेरीवालों के सहायक या मददगार के तौर पर काम करते हैं। यदि कोई व्यक्ति अवैध प्रवासी पाया जाता है तो कानून के अनुसार उसके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी, जिसमें सक्षम अधिकारियों द्वारा उसे वापस उसके देश भेजने के कदम भी शामिल हैं। यह स्पष्ट किया जाता है कि इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई करने में किसी भी प्रकार की विफलता के लिए संबंधित सभी अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से जवाबदेह ठहराया जाएगा।' बॉम्बे हाईकोर्ट जजों ने आगे कहा कि अदालत के लिए यह पूरी तरह से अविवेकपूर्ण और असंवेदनशील होगा कि वह मौजूदा खतरों और निष्क्रियता के परिणामों को नजरअंदाज कर दे। इस मुद्दे को तब तक बढ़ने दे जब तक कि यह अंततः राज्य के सामने कहीं अधिक गंभीर परिणाम उत्पन्न न कर दे। जजों ने जोर देकर कहा, ''जो मौजूदा हालात हमारे संज्ञान में लाए गए, वे बेहद चिंताजनक हैं। नागरिकों को अपनी रोजमर्रा की ज़िंदगी में लगातार गंभीर और बार-बार आने वाली रुकावटों का सामना करना पड़ रहा है, जिनमें ये शामिल हैं: पैदल चलने वाले लोग फुटपाथ का इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं, क्योंकि उन पर कब्जा हो चुका है; इस वजह से उन्हें सड़क पर चलने के लिए मजबूर होना पड़ता है, जिससे उनकी जान को खतरा बना रहता है।

नवी मुंबई : पटना एयरपोर्ट को बड़ी सौगात:

पहली बार नवी मुंबई के लिए सीधी फ्लाइट, 30 मार्च से पुणे कनेक्टिविटी भी शुरू

नवी मुंबई : पटना से हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। पहली बार पटना एयरपोर्ट से नवी मुंबई के लिए सीधी फ्लाइट सेवा शुरू होने जा रही है। यह सेवा 29 मार्च से शुरू होगी, जिससे यात्रियों को एक नया और सुविधाजनक विकल्प मिलेगा।

इंडिगो शुरू करेगी नई फ्लाइट सेवा

इस नई सेवा का संचालन इंडिगो द्वारा किया जाएगा। जानकारी के मुताबिक, पटना से नवी मुंबई के बीच यह सीधी उड़ान सप्ताह में सातों दिन उपलब्ध रहेगी। इससे दोनों शहरों के बीच कनेक्टिविटी मजबूत होगी।

30 मार्च से पुणे के लिए भी सुविधा

यात्रियों के लिए एक और राहत भरी खबर है कि 30 मार्च से पुणे के लिए भी नई फ्लाइट शुरू की जाएगी। यह फ्लाइट रात 2 बजे पटना से आएगी और उसी दिन वापसी करेगी, जिससे यात्रियों को समय का बेहतर विकल्प मिलेगा।

पहली बार नवी मुंबई से जुड़ा पटना

अब तक पटना एयरपोर्ट की सीधी कनेक्टिविटी नवी मुंबई से नहीं थी। यह पहली बार है जब इस रूट पर फ्लाइट सेवा शुरू हो रही है। इससे व्यापार, रोजगार और यात्रा के नए अवसर खुलेंगे।

इन विमानों की टाइमिंग तय

नई फ्लाइट्स के लिए विमानों की टाइमिंग भी तय कर दी गई है। अलग-अलग सेक्टर के अनुसार विमानों के प्रस्थान और आगमन का

समय निर्धारित किया गया है, जिससे यात्रियों को अपनी यात्रा की बेहतर योजना बनाने में आसानी होगी।

सुबह से रात तक मिलेंगे विकल्प

फ्लाइट्स की टाइमिंग इस तरह रखी गई है कि यात्रियों को सुबह से लेकर रात तक अलग-अलग समय पर यात्रा का विकल्प मिल सके। इससे खासकर कामकाजी लोगों और व्यवसायियों को काफी फायदा होगा।

कनेक्टिविटी बढ़ने से मिलेगा लाभ

नई फ्लाइट सेवाओं के शुरू होने से पटना एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी और मजबूत होगी। साथ ही महाराष्ट्र के प्रमुख शहरों से बिहार का जुड़ाव बढ़ेगा, जिससे यात्रियों के साथ-साथ व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे 3 दिनों के लिए टोल फ्री... जानें किसे मिलेगा फायदा?

मुंबई : महाराष्ट्र के आगरी-कोली समाज की कुलदेवी मानी जाने वाली लोनावला स्थित एकविरा देवी की वार्षिक यात्रा इस साल 24 अप्रैल से शुरू हो रही है। इस मौके पर श्रद्धालुओं को बड़ी राहत देते हुए मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर तीन दिन के लिए टोल माफी की घोषणा की गई है।

टोल माफी के लिए सांसद का पत्र जरूरी

हालांकि, इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए एक विशेष शर्त रखी गई है। भिवंडी से सांसद व श्री एकवीरा देवस्थान के मुख्य ट्रस्टी सुरेश म्हात्रे ने जानकारी दी है कि टोल माफी का

लाभ केवल उन्हीं भक्तों को मिलेगा, जिनके पास उनका जारी किया गया विशेष पत्र होगा। यानी, टोल नाकों पर यह पत्र दिखाने पर ही वाहन चालकों को टोल शुल्क से छूट मिलेगी। बिना पत्र के यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं को सामान्य टोल देना होगा।

तीन दिन चलेगी यात्रा, भारी भीड़ की संभावना

हर साल लाखों श्रद्धालु मुंबई, ठाणे, रायगढ़ और आसपास के जिलों से एकविरा देवी के दर्शन के लिए लोनावला पहुंचते हैं। इसमें आगरी-कोली समाज के साथ-साथ अन्य समुदायों के लोग भी बड़ी संख्या में शामिल होते हैं। लोनावला स्थित एकविरा देवी मंदिर, जो कार्ला गुफाओं के पास है, इस दौरान श्रद्धालुओं से खचाखच भरा रहता है। एनसीपी शरद गुट के सांसद सुरेश म्हात्रे ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि यात्रा के दौरान यातायात नियमों का पालन करें और सुरक्षित यात्रा करें। उन्होंने कहा कि टोल माफी श्रद्धालुओं की भावनाओं का सम्मान करते हुए दी गई है, इसलिए सभी को अनुशासन बनाए रखना चाहिए।

मुंबई : कौन हैं आईपीएस तुषार दोशी? जिन्हें सस्पेंड करने के आदेश पर चढ़ा महाराष्ट्र में सियासी पारा, BJP-शिवसेना में ठनी

मुंबई : महाराष्ट्र के चर्चित आईपीएस अधिकारी तुषार दोशी को लेकर राज्य की राजनीति गरमा गई है। सोमवार को एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना के कोटे से फडणवीस सरकार में मंत्री शंभूराज देसाई ने जिला पंचायत चुनावों में सतारा पुलिस की भूमिका और खुद के साथ हुए दुर्व्यवहार के मुद्दे को विधानपरिषद में उठाया तो उस वक्त पर सभापति की कुर्सी पर विराजमान उपसभापति नीलम गोरहे ने एसपी को निलंबित करने का आदेश दिए है। नीलम गोरहे के आदेश पर बीजेपी से मंत्री जयकुमार गोरे ने आपत्ति की और कहा कि सीनियर अधिकारी के खिलाफ बिना जांच के ऐसा आदेश देना गलत है। दरसअल, शिंदे की अगुवाई वाल शिवसेना-एनसीसी (अजित पवार) के साथ गठबंधन के बाद भी बहुमत में थी लेकिन जिला परिषद अध्यक्ष के चुनाव में एक वोट से हार गई। बीजेपी जीती। शिंदे की शिवसेना का आरोप है कि ऐसा पुलिस की तौर-तरीकों से हुआ।

मराठा आंदोलन में झेल चुके हैं कार्रवाई

सातारा के पालक मंत्री शंभूराज देसाई ने आरोप लगाया कि जिला ने उनके साथ अपराधियों जैसा व्यवहार किया। एक सोची समझी रणनीति के तहत मुझे और अन्य नेताओं को मतदान प्रक्रिया में शामिल होने से रोका गया। इसे मुद्दे पर बीजेपी और शिवसेना के आमने-सामने आने पर महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि इस पूरे मामले की उचित जांच कराई जाएगी और जांच के

निष्कर्षों के आधार पर जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। गृह विभाग सीएम के पास है। ऐसे में 2001 में पुलिस सेवा में आए आईपीएस तुषार दोशी सुर्खियों में आ गए हैं। यह पहला मौका नहीं है जब तुषार दोशी चर्चा में आए हैं। महाराष्ट्र में साल 2023 मराठा आरक्षण आंदोलन के दौरान लाठीचार्ज करने के बाद आईपीएस तुषार दोशी सरकार ने लंबी छुट्टी पर भेज दिया था। राज्य सरकार ने बाद में तुषार जोशी को वापस ड्यूटी पर लिया था। वह अभी सतारा के पुलिस अधीक्षक का दायित्व संभाल रहे थे। ताजा टकराव ने एक बार फिर से उनके सुर्खियों में ला दिया है।

कौन हैं तुषार दोशी ?

तुषार दोशी 2001 में महाराष्ट्र पुलिस में शामिल हुए थे। वह अभी तक कई महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके हैं। इनमें नवी मुंबई में पुलिस उपायुक्त (क्राइम) का पद और पुणे, सोलापुर तथा जालना में मिली जिम्मेदारियां शामिल हैं। उन्होंने राज्य के आतंकवाद निरोधक दस्ते के साथ भी काम किया है। तुषार दोशी करियर की शुरूआत में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों (चंद्रपुर और गढ़चिरौली) में तैनात रह चुके हैं। वह पुलिस सेवा में महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग की परीक्षा पास करके आए थे। इसके बाद आईपीएस पर प्रोन्नत हुए हैं। सतारा के एसपी रहते हुए पिछले साल फलटन महिला डॉक्टर सुसाइड केस की जांच भी तुषार दोशी ने संभाली थी। तुषार दोशी महाराष्ट्र के ही रहने वाले हैं। उन्होंने अपनी प्राथमिक शिक्षा (चौथी कक्षा तक) रायगढ़ में पूरी की, जिसके बाद वे छात्रवृत्ति पर धुले के एक सरकारी विद्यानिकेतन में पढ़ने चले गए। बाद में, वे उच्च माध्यमिक शिक्षा के लिए पुणे चले गए और उनके पास भौतिकी में स्नातक की डिग्री है। दोशी के पिता रायगढ़ जिला परिषद में कार्यरत थे। तुषार अपने पिता से प्रेरित होकर ही पुलिस बल में आए। उन्होंने एमपीएससी (महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग) की परीक्षा उत्तीर्ण की।

गैस सिलिंडरों के भंडारण और कालाबाजारी करने वाले गैंग का खुलासा, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी) पुलिस टीम ने 21 मार्च को के ब्लॉक महिपालपुर के एक मकान पर दबिश दी। जहां पुलिस को काफी मात्रा में एलपीजी सिलिंडर मिले। पुलिस ने वहां से तीन आरोपियों को पकड़ लिया।दक्षिण-पश्चिम जिला की वाहन चोरी निरोधक शाखा ने महिपालपुर इलाके में अवैध रूप से गैस सिलिंडरों के भंडारण और कालाबाजारी करने वाले एक गैंग का खुलासा किया है। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कृष्णा, दिनेश साहू और मिथिलेश के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से चार कमर्शियल सहित 74 सिलिंडर, एक टाटा एस गोल्ड वाहन, इलेक्ट्रॉनिक व हैंगिंग वेटिंग मशीनें तथा गैस ट्रांसफर करने के उपकरण बरामद किए हैं। जिला पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि वाहन चोरी निरोधक शाखा को सूचना मिली कि महिपालपुर में गैस सिलिंडर की कालाबाजारी की जा रही है। सूचना को सत्यापित करने के बाद टीम ने 21 मार्च को के ब्लॉक महिपालपुर के एक मकान पर दबिश दी। जहां पुलिस को काफी मात्रा में एलपीजी सिलिंडर मिले। पुलिस ने वहां से तीन आरोपियों को पकड़ लिया। पूछताछ में पता चला कि इनके पास गैस भंडारण या बिक्री से संबंधित कोई वैध लाइसेंस नहीं है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने बताया कि वह बिना बिल के स्थानीय लोगों को गैस सिलिंडर बेचते थे और अधिक मुनाफा कमाने के लिए भरे हुए सिलिंडरों से गैस निकालकर खाली सिलिंडरों में भरते थे। इसके लिए वह एक पाइप का इस्तेमाल करते थे और परिवहन के लिए टाटा एस वाहन का उपयोग करते थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांच में पता तीनों मूलतः बांका बिहार के रहने वाले हैं। पिछले 20-25 साल से दिल्ली में रह रहे थे और पिछले तीन साल से इस अवैध धंधे में लिप्त थे। पुलिस ने इनके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और मामले की छानबीन कर रही है।

दिल्ली विधानसभा बजट सत्र : सदन में आर्थिक सर्वेक्षण और 24 को पेश होगा बजट

नई दिल्ली (एजेंसी) । देश की राजधानी दिल्ली में आगामी बजट सत्र को लेकर दिल्ली विधानसभा का बजट सत्र सोमवार 23 मार्च 2026 से शुरू होने जा रहा है। यह सत्र 23 से 25 मार्च 2026 तक आयोजित होगा। जिसे लेकर शनिवार को विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सदन की तैयारियों का व्यापक जायजा लिया था। साथ ही अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। सार्थक चर्चा का उदाहरण बने सत्र विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि यह सत्र संसदीय परंपराओं की गरिमा और सार्थक चर्चा का उदाहरण बनना चाहिए। साथ दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर दोनों नेताओं ने आगामी बजट सत्र की तैयारियों और दिल्ली के विकास से जुड़े विभिन्न विधायी विषयों पर विस्तार से चर्चा की। सीएम रेखा ने विजेंद्र गुप्ता से की

मुलाकात सीएम रेखा ने इस मुलाकात को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किया। उन्होंने लिखा, दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर आगामी बजट सत्र की तैयारियों तथा दिल्ली के विकास से जुड़े विभिन्न विधायी विषयों पर सार्थक संवाद हुआ। हमारी सरकार दिल्ली की प्रगति और जन-आकांक्षाओं को पूरा करने वाला बजट प्रस्तुत करने के लिए पूर्णतः समर्पित है।ह्व मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में सोमवार को दिल्ली सचिवालय में हुई कैबिनेट बैठक में इस सत्र के कार्यक्रम का निर्णय लिया गया है।

आर्थिक सर्वेक्षण पेश 23 मार्च को

कैबिनेट के फैसले के अनुसार, सत्र के पहले दिन 23 मार्च को सदन में आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया जाएगा। यह रिपोर्ट पिछले एक वर्ष के दौरान राजधानी की आर्थिक स्थिति, राजस्व प्राप्ति, व्यय, विभिन्न क्षेत्रों में हुए विकास कार्यों और प्रमुख योजनाओं की प्रगति का विस्तृत विवरण प्रदान करेगी। वार्षिक बजट 24 को 24 मार्च को दिल्ली सरकार वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए अपना वार्षिक बजट प्रस्तुत करेगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के पास वित्त विभाग होने के कारण वे स्वयं बजट पेश करेंगी। इस बजट में बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, स्वच्छता और शहरी सुविधाओं से जुड़े कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान देने की संभावना है। इसके अलावा, सामाजिक सुरक्षा और जनकल्याण संबंधी नई घोषणाओं की भी उम्मीद जताई जा रही है। 25 मार्च को बजट पर चर्चा सत्र के तीसरे दिन 25 मार्च को बजट पर चर्चा होगी, जिसमें सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायक अपने विचार रखेंगे।

नेहरू स्टेडियम में आज श्रीश्री रवि शंकर का कार्यक्रम, सुबह से प्रभावित रहेगा ट्रैफिक

नई दिल्ली (एजेंसी) दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की दक्षिण रेंज के पुलिस उपायुक्त संदीप कुमार गुप्ता ने कहा कि उम्मीद है कि लगभग 50,000 प्रतिभागियों की एक बड़ी भीड़ कार्यक्रम स्थल पर पहुंचेगी। कार्यक्रम के दिन स्थल के आसपास यातायात की व्यापक व्यवस्था की गई है। जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम कॉम्प्लेक्स, लोधी कॉलोनी में 22 मार्च (रविवार) को सुबह 11 बजे से रात 10 बजे तक ओपन एरिया में कार्यक्रम आयोजित हो रहा है। इस कार्यक्रम के आयोजकों ने प्रवचन देने के लिए प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु और आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर जी को आमंत्रित किया है। इसके अलावा, कई गणमान्य व्यक्ति भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की दक्षिण रेंज के पुलिस उपायुक्त संदीप कुमार गुप्ता ने कहा कि उम्मीद है कि लगभग 50,000 प्रतिभागियों की एक बड़ी भीड़ कार्यक्रम स्थल पर पहुंचेगी। कार्यक्रम के दिन स्थल के आसपास यातायात

की व्यापक व्यवस्था की गई है। यहां होगी पार्किंग आयोजकों ने बसों के लिए रेड फोर्ट बस पार्किंग में पार्किंग की व्यवस्था की है। बसें प्रतिभागियों को बताई गई जगह पर उतार देंगी, जिसके बाद प्रतिभागी मेट्रो सेवाओं का इस्तेमाल करके कार्यक्रम स्थल तक पहुंचेंगे, जैसा कि आयोजकों ने पहले ही निर्देश दिया है। ऐसे वाहनों के लिए पार्किंग की व्यवस्था कुशक नाला बस डिपो (क्षमता लगभग 1500 कारें) और सुनहरी पुल्ला बस डिपो (क्षमता लगभग 1000 कारें) पर की गई है। कार्यक्रम में शामिल होने वाले प्रतिभागियों की सुविधा के लिए आयोजकों ने ऊपर बताई गई पार्किंग जगहों को बुक किया है। ट्रैफिक डायवर्जन कार्यक्रम के दिन सुबह 9 बजे से 10 बजे के बीच, नीचे दी गई सड़कों/हिस्सों पर ट्रैफिक प्रतिबंध/डायवर्जन लागू रहेंगे। इस बड़े कार्यक्रम को सुचारू रूप से चलाने के लिए, जरूरत पड़ने पर कार्यक्रम के दोनों दिनों में नीचे बताए गए पॉइंट्स पर वाहनों के ट्रैफिक को या तो मोड़ा जाएगा या भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाई जाएगी। वाहन चालकों को सलाह दी है कि वह सुबह 9 बजे से रात 10 तक किसी भी तरह के ट्रैफिक जाम से बचने के लिए ट्रैफिक डायवर्जन का पालन करें।

खतरनाक बैक्टीरिया के इलाज में 2 एंटीबायोटिक की जुगलबंदी कारगर, शोध में खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी) वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल के वैज्ञानिकों के हालिया अध्ययन में पाया गया कि दो एंटीबायोटिक दवाओं सेफ्टाजिडाइम-एविबैक्टम (सीजेडए) और एज्ट्रियोनाम (एटीएम) को साथ में देने से प्रतिरोधी बैक्टीरिया काबार्पेनेम-रेसिस्टेंट एंटरोबैक्टेरेल्स पर अच्छा असर दिखता है। अस्पतालों में कई दवाओं से लड़ने वाले खतरनाक बैक्टीरिया अब आम एंटीबायोटिक्स से ठीक नहीं हो पाते। ये गंभीर बीमारियों में बहुत बड़ा खतरा बन जाते हैं। लेकिन, अब एक नई खोज से उम्मीद दिख रही है। वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल के वैज्ञानिकों के हालिया अध्ययन में पाया गया कि दो एंटीबायोटिक दवाओं सेफ्टाजिडाइम-एविबैक्टम (सीजेडए) और एज्ट्रियोनाम (एटीएम) को साथ में देने से प्रतिरोधी बैक्टीरिया काबार्पेनेम-रेसिस्टेंट एंटरोबैक्टेरेल्स पर अच्छा असर दिखता है। अध्ययन अक्तूबर 2023 से जुलाई 2024 के बीच सेंट्रल इंडिया के एक टर्शियरी केयर अस्पताल में किया गया। शोध का उद्देश्य यह जानना था कि काबार्पेनेमेज बनाने वाले एंटरोबैक्टेरेल्स बैक्टीरिया के खिलाफ सीजेडए और एटीएम का संयोजन कितना प्रभावी है और कौन-सी प्रयोगशाला तकनीक इस प्रभाव को सबसे सही तरीके से दिखा सकती है। अध्ययन में कुल 60 बैक्टीरिया के नमूने शामिल किए गए। इनमें अधिकांश में ब्लाएनडीएम जीन पाया गया, जो बैक्टीरिया को कई दवाओं के प्रति प्रतिरोधी बनाता है। यह जीन गंभीर

संक्रमणों के इलाज को कठिन बना देता है और अस्पतालों में मरीजों के लिए खतरा बढ़ा देता है। शोधकताओं ने पाया कि लगभग 73 प्रतिशत नमूनों में सीजेडए और एटीएम दवाओं का संयोजन सकारात्मक प्रभाव (सिनर्जी) दिखाता है। ई-स्ट्रिप तरीका सबसे सटीक नतीजों में पाया गया कि ई-स्ट्रिप तरीका सबसे सटीक है और इसके परिणाम बीएमडी से लगभग पूरी तरह मेल खाते हैं। हालांकि, इसकी कीमत अधिक है। प्रक्रिया थोड़ी जटिल होने के कारण यह हर लैब के लिए व्यावहारिक नहीं हो सकता। वहीं, डिस्क रिप्लेसमेंट और इनवर्स डी-जीन तरीके अपेक्षाकृत सस्ते, आसान और भरोसेमंद पाए गए। शोधकताओं ने कहा कि यह अध्ययन डॉक्टरों और स्वास्थ्य संस्थानों के लिए एक नया मार्ग प्रशस्त करता है और भविष्य में मल्टीड्रग-रेसिस्टेंट बैक्टीरिया से होने वाले संक्रमणों को नियंत्रित करने में मददगार साबित होगा।

पराए पानी पर जी रही राजधानी, उधारी से बुझ रही दिल्ली की प्यास; गर्मी से पहले ही पेयजल संकट

नई दिल्ली (एजेंसी) गर्मी से बेशक अभी आपका गला सूख नहीं रहा हो, लेकिन दिल्ली की बड़ी आबादी पेयजल संकट से घिरी है। तमाम कालोनियां की रात पानी के इंतजार में काली हो रही है। अप्रैल आते-आते पानी-पानी का शोर जोर से उठेगा और मामला कई इलाकों में झगड़ा और मारपीट तक पहुंच जाएगा। चटकती गर्मी में हर साल यही होता आया है। ऐसा नहीं है वजह से जिम्मेदार अंजान है लेकिन अनदेखी इस कदर है कि जल स्रोत सूखते जा रहे हैं और भूजल परत दर परत नीचे खिसक रहा है... राजधानी में एक के बाद एक करके कुएं, तालाब, झीलें सूखतीं चली गई लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। भूजल संचयन से कई गुना ज्यादा दोहन हो रहा है। ऐसे में धरती के पेट का पानी लगातार कम होता जा रहा है। दिल्ली कच्चे पानी के लिए सबसे ज्यादा यमुना नदी पर निर्भर है जिस पर पहले से उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, यूपी और हरियाणा की प्यास बुझाने का बोझ है। स्थानीय वर्षाजल का योगदान सीमित है, जबकि भूजल का दोहन नियंत्रित स्तर पर किया जाता है। ऐसे में कच्चे पानी की मात्रा में उतार-चढ़ाव शोधन संयंत्रों की उत्पादन क्षमता को प्रभावित करता है राजधानी के वजीराबाद और चंद्रावल संयंत्रों को यमुना से कच्चा पानी प्राप्त होता है। यमुना से मिलने वाला पानी दिल्ली के कुल पेयजल उत्पादन का बड़ा हिस्सा है। गंगा का पानी अपर गंगा नहर के माध्यम से दिल्ली लाया जाता है, जिससे सोनिया विहार और भागीरथी संयंत्रों को आपूर्ति होती है। हरियाणा से आने वाली मुनक नहर और दिल्ली सब-ब्रांच नहर के जरिये भी कच्चा पानी राजधानी तक पहुंचता है। भाखड़ा स्टोरेज से मिलने वाला पानी हैदरपुर, द्वारका और नांगलोई संयंत्रों के माध्यम से शोधन के बाद वितरित किया जाता है। इसके अलावा दिल्ली के विभिन्न इलाकों में स्थापित ट्यूबवेल और रैनी वेल से भूजल भी निकाला जाता है, जो कुल आपूर्ति में सहायक भूमिका निभाता है। साफ है कि दिल्ली अपने पेयजल के लिए काफी हद तक हरियाणा और उत्तर प्रदेश पर निर्भर है। यमुना और गंगा बेसिन से आने वाला पानी ही राजधानी की जलापूर्ति की रीढ़ है। किस जिले में पानी का कितना दोहन 2024 में सीजीडब्ल्यूबी की तरफ से प्रकाशित भारत के गतिशील भूजल संसाधनों पर राष्ट्रीय संकलन 2024 के अनुसार, दिल्ली में रिचार्ज से कई गुना अधिक पानी निकाला जा रहा है, जो भूजल संकट की तरफ इशारा करता है। दिल्ली का भूजल विकास स्तर 91 फीसदी है जो दशार्ता है कि दिल्ली का भूजल स्तर खतरे में है। 41.49 फीसदी क्षेत्र अति-दोहन की श्रेणी में है। पूर्वी दिल्ली में 98, नई दिल्ली में 135 और उत्तर पूर्वी दिल्ली 108 प्रतिशत अति-दोहन की श्रेणी में हैं, जबकि मध्य दिल्ली में 81, दक्षिण दिल्ली में 112 और दक्षिण

पश्चिम दिल्ली 94 फीसदी गंभीर श्रेणी में है। अवैध बोरवेल पर एनजीटी सख्त नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने दिल्ली के पीतमपुरा इलाके में अवैध बोरवेल संचालन को गंभीरता से लिया है। यह मामला वरुण लूथरा की याचिका से जुड़ा है। सुनवाई के दौरान बताया गया कि मोरया एन्क्लेव क्षेत्र में बिना अनुमति के बोरवेल से भूजल दोहन किया जा रहा है। केंद्रीय भूजल प्राधिकरण (सीजीडब्ल्यूए) ने कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों से जवाब मांगा था, लेकिन दिल्ली जल बोर्ड और अन्य अधिकारी समय पर प्रतिक्रिया नहीं दे पाए।

रवीना टंडन ने अपने करियर की असुरक्षाओं और "क्लासरूम पॉलिटिक्स" पर खुलकर बात की

अभिनेत्री रवीना टंडन ने अपनी हालिया सोशल मीडिया पोस्ट में अपने करियर के दौरान महसूस की गई असुरक्षाओं और ''क्लासरूम पॉलिटिक्स'' से निपटने के अपने नजरिए के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक पब्लिकेशन के आर्टिकल का स्क्रीनशॉट शेयर किया। इस आर्टिकल में यह आरोप लगाया गया था कि करिश्मा कपूर, फिल्म ''अंदाज अपना अपना'' की शूटिंग के दौरान, रवीना के कॉस्ट्यूम पर नजर रखने के लिए लोगों को भेजती थीं।

आर्टिकल के अनुसार, कॉस्ट्यूम डिजाइनर एशले रेबेलो ने बताया कि करिश्मा अपनी टीम के सदस्यों को यह देखने के लिए भेजती थीं कि रवीना फिल्म में क्या पहन रही हैं इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए रवीना ने कहा कि वह उन अभिनेत्रियों में से नहीं हैं जो अपनी समकालीन अभिनेत्रियों से असुरक्षित महसूस करती हों, और न ही उन्हें कभी ''क्लासरूम पॉलिटिक्स'' (आपसी राजनीति) में कोई दिलचस्पी रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वह हमेशा अपनी दुनिया में खुश रही हैं और उन्हें लगता है कि ईश्वर ने उन्हें बहुत कुछ दिया है। रवीना ने आगे कहा कि उन्हें कभी किसी का अनादर करने की जरूरत महसूस नहीं हुई।

''केजीएफः चैप्टर 2'' की अभिनेत्री की ताजा पोस्ट में लिखा था, ''बस यह साफ करने के लिए। मुझे कभी भी दूसरों से, जरा भी, कोई असुरक्षा महसूस नहीं हुई, और न ही मैं कभी किसी तरह की ''स्कूल क्लासरूम पॉलिटिक्स'' में शामिल रही।

मैं हमेशा अपनी दुनिया में खुश रही हूं और उन सभी मौकों के लिए ईश्वर की आभारी हूं जो उन्होंने मुझे दिए हैं। जय शिव शंभू। मुझे कभी किसी का अनादर करने की जरूरत महसूस नहीं हुई। ईश्वर बहुत दयालु रहे हैं। इसलिए जो लोग मुझे जानते हैं, वे हमेशा सच जानेंगे।''

पोस्ट के आखिर में, रवीना ने डिजाइनर एशले रेबेलो के लिए अपना प्यार जाहिर करते हुए अपनी बात खत्म की। उन्होंने लिखा, ''हमेशा प्यार, एशले रेबेलो। यह ध्यान देने वाली बात है कि यह पहली बार नहीं है जब किसी ने कल्ट क्लासिक फिल्म ''अंदाज अपना अपना'' की शूटिंग के दौरान करिश्मा और रवीना के बीच के तनाव के बारे में बात की हो। इन दोनों मुख्य अभिनेत्रियों के बीच की प्रतिद्वंद्विता पर, इस प्रोजेक्ट से जुड़े लोगों द्वारा पिछले कई सालों से काफी चर्चा होती रही है।

आलिया भट्ट ने धुरंधरः द रिवेंज के क्लाइमेक्स की प्रशंसा की

रणवीर सिंह की फिल्म के क्लाइमैक्स में आए उस दिल को छू लेने वाले पल का ज़िक्र करते हुए–जब उनका किरदार जसकीरत सिंह रंगी अपना मिशन पूरा करके घर लौटता है – आलिया ने कहा, ''जसकीरत सिंह रंगी और यह पल... सब कुछ है 3 डायरेक्टर और एक्टर का तालमेल कमाल का है! फिल्मों में इस ऐतिहासिक सफर के लिए टीम ''धुरंधर'' को बधाई।'' आलिया ने जिस सीन का ज़िक्र किया है, वह फिल्म का एक बेहद अहम मोड़ है, जहाँ जसकीरत एक लंबे अंडरकवर मिशन के बाद भारत लौटता है। जब वह दूर से अपने परिवार को देखता है, तो उस पल में भावनाओं का सैलाब उमड़ पड़ता है–राहत, अपनों से मिलने की तड़प, और अपने सफर का मानसिक बोझ। इस पल में रणवीर की सधी हुई, फिर भी जबरदस्त परफॉर्मेंस की दर्शकों और समीक्षकों, दोनों ने ही जमकर तारीफ की है।

अनुष्का शर्मा - अल्लू अर्जुन की नई फिल्म को लेकर बढ़ी हलचल

खबरोंके मुताबिक, अनुष्का शर्मा अल्लू अर्जुन की आने वाली फिल्म में उनके साथ काम करने के लिए बातचीत कर रही हैं। इस फिल्म का अभी तक कोई पक्का नाम तय नहीं हुआ है, लेकिन इसे एए22एए6 कहा जा रहा है। हालांकि अभी तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इस संभावित सहयोग को लेकर चर्चा जोर पकड़ रही है। अगर यह पक्का हो जाता है, तो यह प्रोजेक्ट अनुष्का शर्मा का तेलुगू सिनेमा में डेब्यू होगा, जिससे यह जोड़ी दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय हो जाएगी।

रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म के निर्माता 8 अप्रैल को फिल्म के नाम की घोषणा करने की योजना बना रहे हैं। यह दिन अल्लू अर्जुन का जन्मदिन भी है, जिससे फैन्स के बीच उत्साह और भी बढ़ जाएगा। यह भी कहा जा रहा है कि इस फिल्म में कई बड़े सितारे नजर आएंगे, जिनमें दीपिका पादुकोण, जान्हवी कपूर और रश्मिका मंदाना अहम भूमिकाओं में शामिल हैं। बड़े पैमाने पर बन रहे इस प्रोजेक्ट की शूटिंग कथित तौर पर 2025 में शुरू हुई थी, और उम्मीद है कि यह एक साइंस-फिक्शन एंटरटेनर होगी। इस फिल्म को लेकर एक और दिलचस्प बात यह है कि अफवाहों के मुताबिक, अल्लू अर्जुन इसमें चार अलग-अलग किरदार निभाते नजर आएंगे, जिससे यह उनके करियर की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्मों में से एक बन जाएगी।

निहारिका कोनिडेला ने दूसरी शादी की अफवाहों पर तोड़ी चुप्पी

मेगा स्टार की बेटी निहारिका कोनिडेला पिछले कुछ समय से अपनी निजी ज़िंदगी को लेकर सुर्खियों में रही हैं। चैतन्य जोन्नालगड्डा से अलग होने के बाद, निहारिका ने अपना पूरा ध्यान अपने करियर पर लगा दिया है और एक प्रोड्यूसर के तौर पर सक्रिय रूप से काम कर रही हैं। वह फिलहाल वेब सीरीज और फिल्में बनाने में व्यस्त हैं, साथ ही मनोरंजन से जुड़े शो में भी नजर आ रही हैं। इस बीच, उनकी दूसरी शादी को लेकर सोशल मीडिया पर अक्सर अटकलें लगती रही हैं। इन अफवाहों पर प्रतिक्रिया देते हुए,

निहारिका ने हाल ही में अपना रुख साफ किया। उन्होंने कहा कि वह भविष्य में दोबारा शादी करने के बारे में जरूर सोचेंगी, लेकिन अभी जल्दबाजी में नहीं। फिलहाल, उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी प्राथमिकता पूरी तरह से एक्टिंग और फिल्म प्रोडक्शन पर है। अपने अतीत के बारे में बात करते हुए, निहारिका ने कहा कि जहाँ हर कोई चाहता है कि उसकी शादी ज़िंदगी भर चले, वहीं हालात हमेशा उम्मीद के मुताबिक नहीं होते। उन्होंने कहा कि किसी रिश्ते के न चल पाने के कई कारण हो सकते हैं, और उन्होंने यह भी जोड़ा कि वह उस दौर से आगे बढ़ चुकी हैं और अब अपना करियर बनाने पर ध्यान दे रही हैं।

उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में यह भी बताया कि वह भविष्य में बच्चे जरूर चाहती हैं, और इसके लिए शादी करना जरूरी होगा। हालाँकि, उन्होंने कहा कि इसका सही समय अभी तय नहीं है और ज़िंदगी अपने हिसाब से ही आगे बढ़ेगी। उन्होंने संकेत दिया कि जब उन्हें कोई सही इंसान मिलेगा, तभी वह दोबारा शादी करने के बारे में सोचेंगी। अपने परिवार के बारे में बात करते हुए, निहारिका ने बताया कि उनके पिता नागेंद्र बाबू और भाई वरुण तेज

ने उनके फैसलों में उनका बहुत साथ दिया है। उन्होंने वरुण तेज और लावण्या त्रिपाठी की शादीशुदा ज़िंदगी देखकर खुशी भी जाहिर की, और कहा कि उन्हें पूरा यकीन है कि उनकी अपनी ज़िंदगी में भी सब कुछ आखिरकार ठीक हो जाएगा। निहारिका ने सोशल मीडिया पर होने वाली ट्रोलिंग पर भी बात की, और कहा कि वह इस पर ज्यादा ध्यान नहीं देतीं, बल्कि अपनी निजी आजादी को ज्यादा अहमियत देती हैं। प्रोफेशनल मोर्चे पर, उन्हें ''कमेटी कुर्रोल्लू'' फिल्म के प्रोड्यूसर के तौर पर काफी सफलता मिली है।

मुंबई पहुंचे ईरानी हमले में बचे 15 क्रू मेंबर्स, मारे गए 1 इंजीनियर का शव नहीं आया...

मुंबई : ईरानी ड्रोन हमले का शिकार बने मार्शल आइलैंड्स के यूएस झंडे वाले तेल टैंकर एमटी सेफ-सी विष्णु पर सवार 29 लोगों में जीवित बचे 15 लोग 20 मार्च को सकुशल मुंबई लौट आए। इस जहाज पर 17 भारतीय क्रू मेंबर थे, ज़िनमें एक लापता हैं और एक की मौत हो चुकी हैं। यूएस के मालिकाना हक वाले इस जहाज पर इंजिनियर देवनंदन प्रसाद सिंह (54) भी सवार थे, जिनकी मौत हो गई। सिंह का परिवार कांदिवली के रहेजा हाइट्स में रहते हैं। रिश्तेदार चंदन सिंह ने बताया कि देवनंदन जी का शव लाने का पेपर वर्क प्रोसेस में है। इसमें और एक सप्ताह लग सकता है। देवनंदन बिहार के भागलपुर के निवासी थे। बता दें कि 12 मार्च को इराक में बसरा के पास खोर अल जुबैर पोर्ट के पास युद्ध आरंभ होने के 9 दिन बाद आईआरजीसी की चेतावनियों को नजरअंदाज करने पर जहाज पर हमला हुआ था।

इराकी कोस्ट गार्ड ने बचाया:

कांजुरमार्ग स्थित डीजी शिपिंग कंपनी से जुड़े एक सोर्स ने बताया कि हमला होने के बाद सभी 29 क्रू मेंबर जहाज छोड़कर अपनी सुरक्षा के लिए पानी में कूद पड़े, जिन्हें बाद में इराकी कोस्ट गार्ड ने बचाया। इनमें 17 भारतीय और 12 फिलिपिंस के नागरिक थे। एक भारतीय देवनंदन सिंह की मौत हो गई, जबकि एक लापता बताए जा रहे हैं। सभी को बसरा पोर्ट पर ले जाया गया था।

सूत्रों ने बताया कि डॉक्यूमेंट्स नहीं होने के कारण सभी भारतीय 15 क्रू मेंबर्स का बसरा पोर्ट पर 3 दिनों तक चले ट्रैवल प्रोसेस पूरे होने के बाद उन्हें मुंबई भेजा गया। मेडिकल जांच और काउंसलिंग के बाद सभी क्रू मेंबरों को उनके होमटाउन भेज दिए गए, ज़िनमें 3 मेंबर मुंबई के ही रहने वाले हैं। इस हमले में जिन क्रू मेंबर्स के डॉक्यूमेंट्स जल गए या बह गए, उन्हें डॉक्यूमेंट्स और कम्पेनसेशन प्रोसेस 3 से 6 महीने में पूरा करने का समय दिया गया है।

फैक्ट फाइल:

1. 22 भारतीय व्यापारी जहाज, जिनमें लगभग 1.7 मिलियन टन जरूरी एनर्जी कार्गो है, जिसमें 1.67 मिलियन टन कच्चा तेल, 3.2 लाख टन छढत्रृऔर 2 लाख टन LNG शामिल है, होर्मुज जलडमरूमध्य में फंसे हुए हैं।
2. इन 22 जहाजों पर कुल 611 भारतीय नाविक फंसे हुए हैं और अभी तक भारत वापस नहीं आए हैं।
3. लगभग 23,000 भारतीय नाविक और वर्कर वेस्ट एशिया कॉन्फ्लिक्ट जोन में, खासकर फारस की खाड़ी और ईरान के आसपास फंसे हुए हैं।
4. अभी होर्मुज जलडमरूमध्य के पश्चिम में लगभग 3,200 जहाज फंसे हुए हैं या रुके हुए हैं।
5. शिवालिक, नंदा देवी और जग लाडकी समेत कुछ जहाजों को हाल ही में सुरक्षित रास्ता दिया गया और वे मुंद्रा और कांडला जैसे भारतीय बंदरगाहों पर पहुंच गए हैं।

मुंबई : विले पार्ले की महिला ने फर्जी कौन बनेगा करोड़पति लॉटरी घोटाले में ₹1.12 लाख गंवाए...

मुंबई : विले पार्ले ईस्ट की रहने वाली 47 साल की एक गृहिणी के साथ ₹1.12 लाख की धोखाधड़ी हुई। जालसाजों ने उसे यह झांसा दिया कि उसने टीवी क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति' से जुड़ी एक फजी लॉटरी में एक कार जीती है। इस महिला को सोशल मीडिया पर बने एक फजी पेज के जरिए निशाना बनाया गया, जो हूबहू 'कौन बनेगा करोड़पति' जैसा दिखता था। इस पेज पर यूजर्स से क्विज के सवालों के जवाब देने को कहा जाता था, जिससे यह लगता था कि यह कोई असली प्रतियोगिता है। कुछ दिनों तक इस पेज पर एक्टिव रहने के बाद, महिला को एक आदमी का फोन आया, जिसने खुद को शो का प्रतिनिधि बताया। उसने महिला को बताया कि उसने ₹8.5 लाख की एक कार जीती है।

इस ऑफर को असली मानकर, महिला ने टैक्स और प्रोसेसिंग फीस के नाम पर कई किस्तों में ₹1.12 लाख ट्रांसफर कर दिए। उसे अपनी ठगी का एहसास तब हुआ, जब फोन करने वाले से उसका संपर्क टूट गया। महिला की शिकायत के आधार पर, विले पार्ले पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

मुंबई : बांद्रा ईस्ट में बीएमसी के नल से बह रहा गंदा और दूषित पानी...

मुंबई : सोशल मीडिया पर घूम रहे एक वीडियो ने शहर में पानी की क्वालिटी को लेकर चिंताओं पर फिर से ध्यान खींचा है। बांद्रा ईस्ट के एक निवासी ने आरोप लगाया है कि इलाके के घरों में दूषित पानी की सप्लाई हो रही है। 'अजमेरा शेख' नाम के एक यूजर द्वारा शेयर किए गए इस वीडियो में साफ तौर पर गंदा पानी एक बाल्टी में जमा होता दिख रहा है। वीडियो रिकॉर्ड करने वाले व्यक्ति का दावा है कि विजुअल्स में दिख रहा यह पानी सीधे बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की सप्लाई से आ रहा है। इस फुटेज के सामने आने के बाद से ऑनलाइन लोगों की प्रतिक्रियाएं आ रही हैं, और कई यूजर्स रिहायशी इलाकों में पीने के पानी की सुरक्षा को लेकर चिंता जता रहे हैं। पोस्ट के साथ दिए गए कैप्शन के मुताबिक, निवासी ने कहा कि पानी की क्वालिटी इतनी खराब है कि इससे बीमारी भी हो सकती है। उन्होंने आगे नागरिक अधिकारियों से तुरंत सुधारात्मक कदम उठाने की अपील की, और खास तौर पर खराब पाइपलाइनों की मरम्मत की मांग की।

मुंबई : बनारस से मुंबई के लिए स्पेशल समर ट्रेन, जानिए किस डेट से बुक होंगे टिकट...

मुंबई : बनारस से मुंबई के लिए रेलवे गर्मी की छुट्टी में समर स्पेशल ट्रेन चलाने जा रहा है. इसके लिए शेड्यूल जारी कर दिया गया है. चलिए आगे जानते हैं इसके बारे में. कब से कब तक चलेगीः रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि 01073/01074 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-बनारस-लोकमान्य तिलक टर्मिनस साप्ताहिक विशेष गाड़ी का संचालन किया जा रहा है. यह ट्रेन लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 01 से 30 अप्रैल तक प्रत्येक बुधवार एवं वृहस्पतिवार को तथा बनारस से 03 अप्रैल से 02 मई तक प्रत्येक शुक्रवार एवं शनिवार को 10 फेरों के लिये संचालित किया जाएगा. कितने कोच होंगेः उन्होंने बताया कि इस गाड़ी में शयनयान श्रेणी के 09, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का 01, साधारण द्वितीय श्रेणी के 04, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 06 तथा एस.एल.आर.डी. के 02 कोचों सहित कुल 22 कोच लगाए जाएंगे. मुंबई से बनारस चलेगी स्पेशल ट्रेनः 01073 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-बनारस द्विसाप्ताहिक विशेष गाड़ी 01 से 30 अप्रैल, 2026 तक प्रत्येक बुधवार एवं वृहस्पतिवार को लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 12.15 बजे प्रस्थान करेगी. ट्रेन थाणे 12.36 बजे, कल्याण से 12.55 बजे, ईगतपुरी से 14.45 बजे, नासिक रोड से 15.15 बजे, जलगांव से 18.45 बजे, भुसावल से 19.15 बजे, खण्डवा से 21.00 बजे, इटारसी से 23.55 बजे, दूसरे दिन रानी कमलापति से 01.15 बजे, बीना से 08.00 बजे, वीरांगना लक्ष्मीबाई (झांसी) से 10.30 बजे, उरई से 12.00 बजे, गोविन्दपुरी से 14.45 बजे, फतेहपुर से 16.20 बजे तथा सूबेदारगंज से 17.55 बजे छूटकर बनारस 23.30 बजे पहुंचेगी.

कहीं बारिश तो कहीं हीट स्ट्रोक का साया, मुंबई एमएमआर में फिर चढ़ा पारा...

मुंबई : देश में कहीं बढ़ती गर्मी तो कहीं अचानक हो रही बारिश अब केवल मौसमी बदलाव नहीं रह गई है, बल्कि यह जलवायु परिवर्तन के गंभीर संकट की ओर इशारा कर रही है। महाराष्ट्र जैसे राज्य में तेजी से हो रहे शहरीकरण और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के बीच जलवायु संकट का साया मंडराने लगा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने भी लगातार बढ़ते तापमान को लेकर चेतावनी जारी की है। महाराष्ट्र में अल नीनो का खतरा भी बढ़ गया है। दो दिन पहले राज्य के कुछ हिस्सों में ओलावृष्टि और बारिश हुई, जबकि कई इलाकों में तापमान तेजी से बढ़ गया। महाराष्ट्र के विदर्भ, मराठवाड़ा और पश्चिम महाराष्ट्र के कुछ जिलों में बारिश और ओलावृष्टि का खतरा बना हुआ है। स जिले के कराड दक्षिण क्षेत्र से एक अलग तस्वीर सामने आई है। जहां हर साल इस समय तेज गर्मी पड़ती थी, वहीं इस बार अचानक बदले मौसम ने लोगों को चौंका दिया।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर 4 ए, फ्लोर-जीआरडी, 29 डी, शबन हाउस, वंजावाडी लेन, माहिम वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400016 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhani.com